पाठ 4. मुझमें भी प्राण हैं

पाठ का उद्देश्य

नदियाँ हमारे प्राकृतिक संसाधनों में से एक हैं। इनसे पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं को जीवन मिलता है। परंतु वर्तमान में मानव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इस अमूल्य धरोहर का विनाश करता जा रहा है। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर नदियों के प्रदूषण तथा उनकी पीड़ा एवं व्यथा कथा से अवगत कराना है। साथ ही, हमें पर्यावरण के संरक्षण के प्रति सचेत कराना भी है।

पाठ का सारांश

पाठ की मुख्य पात्र बालिका रीना के घर शाम को पूजा हुई। पूजा समाप्त होने के बाद वह टेलीविज़न देखने बैठ गई और उसकी माँ साफ़-सफ़ाई में लग गईं। टेलीविज़न पर नदियों के प्रदूषण से संबंधित कार्यक्रम आ रहा था। थकान के कारण रीना को नींद आने लगी। गहरी नींद में सोने से पहले उसके कानों में माँ के शब्द पड़े थे। वे पिता जी को एक बड़ी-सी पॉलिथीन में कुछ सामान भरकर सुबह नदी में डालने के लिए कह रही थीं। रीना सपना देखती है कि स्कूल जाते समय माँ उसे वह पॉलिथीन देती हैं। वह एक नदी पर रुकती है और पॉलिथीन नदी में डालने के बाद जैसे ही मुड़ती है, उसे किसी के सुबकने की आवाज़ सुनाई पड़ती है। पूछने पर रीना के सामने एक स्त्री प्रकट हो जाती है। वह स्त्री रीना द्वारा पॉलिथीन नदी में फेंका जाना अपनी पीड़ा का कारण बताती है और बताती है कि वह नदी है। नदी रीना को अपने उद्भव से लेकर मानव से अपने संबंध तथा मानव द्वारा उसके दुरुपयोग से संबंधित कई तथ्यों को प्रस्तुत करती हुई अपनी पीड़ा व्यक्त करती है। नदी की पीड़ा जानकर रीना भी आहत होती है। तभी माँ की आवाज़ सुनकर उसकी नींद खुल जाती है। माँ पिता जी को वही पॉलिथीन पकड़ा रही होती हैं। रीना वह पॉलिथीन माँ से तुरंत छीन लेती है और उन्हें अपना सपना बताकर नदियों को प्रदूषण से बचाने का अपना प्रण बताती है। माता-पिता रीना की सराहना करते हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ का स्वयं वाचन करें अथवा एक-एक कर बच्चों से वाचन करवाएँ। बच्चों से प्राकृतिक संसाधनों के संबंध में चर्चा करें।

बच्चों से पूछें तथा समझाएँ—

- नदियों के उद्भव के बारे में बच्चों को संक्षिप्त रूप में बताएँ कि किस प्रकार नदियों के द्वारा सभ्यता का विकास होता गया।
- उन्हें समझाएँ कि नदियों के प्रदूषण के क्या-क्या हानिकारक परिणाम हो सकते हैं।
- नदियों का प्रदूषण रोकने के संबंध में बच्चों से उनके विचार जानने का प्रयत्न करें। प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने का अवसर दें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।